छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

कैम्पस न्यूज

साप्ताहिक ई-समाचार पत्र

कानपुर नगर, गुरुवार, 28 अगस्त, 2025, कुल पृष्ठ-04

भारत माता के जयकारों से गूंज उठा विश्वविद्यालय प्रांगण

■ अंशिका चौरसिया/अदिति सचान

कानपुर । छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् से विश्वविद्यालय प्रांगण गूंज उठा।

छात्र छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और वाद्य-संगीत की विविध प्रस्तुतियां दीं। छात्रों ने स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और शौर्य को मंच पर उतारा। प्रेक्षागृह में भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए गए । सभी छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। प्रतिभागियों ने देशभक्ति की भावना को बल दिया और युवाओं को राष्ट्र सेवा का संदेश दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में आत्मोदय हॉबी क्लब एवं विभिन्न छात्र क्लबों की सक्रिय भागीदारी रही। विशिष्ट अतिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने छात्र छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की । इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, वित्त अधिकारी अशोक कुमार, कुलसचिव राकेश कुमार, प्रो. अंशु यादव, डॉ. ममता तिवारी, डॉ. ऋचा, राकेश त्रिपाठी, श्याम मिश्रा, डॉ. प्रवीण कटियार, डॉ. रश्मि गोरे, नीरज सिंह सहित विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करते अतिथि।

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा ।

कार्यक्रम में गीत प्रस्तुत करता छात्र ।

नृत्य करती छात्रा (छायाकार:अंशिका अग्निहोत्री)

सीएसजेएमयू में स्वतंत्रता दिवस पर घोषणाओं की बारिश:कुलपति ने रखा 24 करोड़ का स्टेडियम, नए हॉस्टल, 17500 पेड़ लगाने का लक्ष्य

कुलपति ने ध्वजारोहण कर दी छात्रों को सौगात

■ शुभांकर त्रिपाठी/एलिस सक्सेना

स्वतंत्रता दिवस

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 79वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। कुलपति प्रो. पाठक ने संबोधन में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं को साझा किया, जिससे छात्रों और शिक्षकों में नया जोश देखने को मिला।

1600 करोड़ का टर्नओवर, 15 हजार छात्र

कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने प्रशासनिक भवन के प्रांगण में ध्वजारोहण करने के बाद विश्वविद्यालय की प्रोग्रेस रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि 2021 में विश्वविद्यालय में केवल तीन हजार छात्र थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर पंद्रह हजार हो गई है। विश्वविद्यालय का वार्षिक टर्नओवर 1600 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय 300 पेटेंट और 150 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रों के साथ देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल है।

सभी छात्रों के लिए एआई कोर्स अनिवार्य

प्रो. पाठक ने कहा कि पैरामेडिकल के साथ तीन नए कोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई),साइबर सिक्योरिटी और इनोवेशन शुरू किए गए हैं। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है जहां सभी छात्रों के लिए एआई कोर्स अनिवार्य कर दिया गया हैं । उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय पूरी मदद करेगा ।

24 करोड़ का स्टेडियम, नए छात्रावास और जिम : उन्होंने घोषणा की कि 24 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम तैयार हो रहा है, जिसका उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 20 लाख रुपये से नए जिम का निर्माण किया जाएगा। एक गर्ल्स हॉस्टल व एक बॉयज हॉस्टल भी बनाए जाएंगे। कुलपति ने 17,500 पेड़ लगाने का लक्ष्य घोषित किया और प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम करने की अपील की। कार्यक्रम में हाल ही में सेवानिवृत्त होने वाले तीन कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। हर घर तिरंगा अभियान- के तहत रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राशि पाण्डेय, खुशबू वर्मा, द्वितीय स्थान ईरम अंसारी, समृद्धि, प्रियंका,तृतीय स्थान हर्ष कुमार, अभिषेक मौर्य, अंशिका मिश्रा और सांत्वना पुरस्कार निध्या, अनामिका, कनक सिंह ने पाया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रेम सिंह, द्वितीय स्थान आस्तिक चौधरी, तृतीय स्थान राहुल मंडल और सांत्वना पुरस्कार रवि प्रताप सिंह, अमन चौहान को मिला। समारोह में वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक, प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी, शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे ।

एनसीसी कैडेट्स के साथ मौजूद कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक व शिक्षक ।

ध्वजारोहण करते कुलपति व अन्य कर्मचारी ।

अपडेट कैंपस परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.पी. सिंह ने बताया कि परीक्षाएं चार पालियों में कराई जाएंगी ,जल्द डेटशीट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी

सीएसजेएमयू में 22 सितंबर से शुरू होगी मिड सेमेस्टर परीक्षाएं

■ आन्या जायसवाल/शिवेन्द्र सिंह

75 फीसदी उपस्थिति पूरी करने वाले छात्र ही परीक्षा में बैठ सकेंगे

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय प्रशासन ने मिड सेमेस्टर परीक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन छात्रों की 75 फीसदी उपस्थिति पूरी नहीं होगी, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विश्वविद्यालय परिसर के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.पी. सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 22 सितंबर से शुरू होकर चार पालियों में कराई जाएंगी। जल्द ही डेटशीट विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। **कुलपति का सख्त संदेश** : कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब छात्र नियमित रूप से कक्षा में शामिल ही नहीं होंगे तो सीखेंगे क्या? उपस्थिति का यह नियम शिक्षा की उत्कृष्टता के लिए आवश्यक है और आगे भी सख्ती से लागू रहेगा। **शिक्षकों पर भी निगरानी** : प्रशासन ने उपस्थिति संबंधी सख्ती केवल छात्रों पर ही नहीं, बल्कि शिक्षकों पर भी लागू की है। समय से कक्षा में न पहुंचने वाले शिक्षकों की रिपोर्ट पर पिछले 15 दिनों में कई को चेतावनी जारी की गई है। कुलपति ने दो टूक कहा कि यदि लापरवाही जारी रही तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। **औचक निरीक्षण और समिति की रिपोर्ट :** छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने जांच समिति का गठन किया है। विभागाध्यक्ष और अन्य विभागों के दो शिक्षकों वाली यह समिति औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंप रही है। शुरुआती दौर में कुछ शिक्षकों को नोटिस जारी किए गए हैं, फिलहाल चेतावनी देकर सुधार का अवसर दिया जा रहा है।

छात्रों को दी सलाह : परीक्षा नियंत्रक ने छात्रों से अपील की है कि वे कक्षाओं में नियमित उपस्थिति दर्ज कराएं । उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी और नियम का पालन अनिवार्य होगा।

तुलसीदास का जीवन संघर्षों से भरा रहा: उपमुख्यमंत्री पाठक

■ स्नेहा मिश्रा/ऋषभ गौड़/आशीष कश्यप

संगोष्ठी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर प्रतिमा अनावरण, स्मारिका विमोचन व संगोष्ठी समारोह का आयोजन हुआ। सनातन सेवा सत्संग कानपुर प्रांत व श्रीमद्भागवतगीता एवं वैदिक वांगमय शोधपीठ के आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संगमरमर से बनी गोस्वामी तुलसीदास की भव्य प्रतिमा का अनावरण करते हुए अपने प्रेरणादायक संबोधन में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में बताया। ब्रजेश पाठक ने अपने भाषण में कहा कि गोस्वामी तुलसीदास का जीवन संघर्षों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने समाज को धर्म, आस्था और नैतिकता का मार्ग दिखाया। इस आयोजन के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्रों को गोस्वामी तुलसीदास जी की शिक्षाओं और कृतियों को समझने का अवसर मिला। उनके आदर्शों और जीवन मूल्य छात्रों के चरित्र निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने छात्रों को गोस्वामी तुलसीदास जी की तरह ज्ञान प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित होने के लिए प्रेरित किया। श्रीरामचरित मानस एवं श्रीमद्भगवद्गीता में जीवन प्रबन्धन विषयक आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता आचार्य चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबुद्धानंद महाराज ने छात्रों को जीवनोपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किए।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक छात्र -छात्राओं को संबोधित करते हुए।

उन्होंने कहा कि हमें कर्मयोग अध्याय से अपने कर्मों को निष्काम भाव से करने की प्रेरणा मिलती है। मानस में तुलसीदास ने श्रीराम जी के चरित्र से मर्यादित जीवन जीने की राह दिखाई है। ये ग्रन्थ हमारे अतीत के ज्ञान के साथ वर्तमान और भविष्य में जीवन जीने की कला सिखाते हैं। मानस मर्मज्ञ वीरेंद्र याज्ञनिक ने श्रीरामचरित मानस के प्रसंगों से छात्रों और अध्यापकों को अभिभूत किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन के चारों पुरुषार्थों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष प्राप्ति का मर्यादापूर्वक पालन करने की शिक्षा मिलती है।

श्रीमद्भगवद्गीता : कालजयी संदेश स्मारिका का भी विमोचन किया गया। शाम को वीरांगना लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में मानस मयंक पं. अजय याज्ञनिक ने संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। सभी ने भगवान श्रीराम के अनन्य सेवक प्रभु हनुमान जी के साहस और शौर्य की गाथा सुनी और प्रभु हनुमान जी के जयकारे लगाए।

परिसर: एक नजर

रचनात्मक और सुंदर मेहंदी के डिजाइन दिखाती छात्राएं

मेंहदी बना छात्राओं ने दिखाया हुनर

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशेष मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने-अपने रचनात्मक और सुंदर मेहंदी के डिजाइन बनाए। जजों ने सभी प्रतिभागियों के कार्य का मूल्यांकन रचनात्मकता, साफ सफाई, विषय से मेल और डिजाइन की सुंदरता के आधार पर किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एमएससी पर्यावरण विज्ञान प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि ने हासिल किया। अंजलि ने अपने डिजाइन में राष्ट्रीय प्रतीकों को बखूबी से शामिल किया। द्वितीय स्थान पर गणित विभाग की एमएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा अनीता ने हासिल किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने विजेताओं को प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया।

प्रो.एडेल एल्मग्रहबी का स्वागत करते प्रो.सुधांशु पांड्या व डॉ. संदेश गुप्ता।

जीवन प्रभावित कर रहा एआई

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसविल (अमेरिका) के प्रख्यात प्रो. एडेल एल्मग्रहबी ने एआई ड्रिवन ट्रांसफॉर्मेशन विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रयोगशालाओं व तकनीकी कंपनियों की सीमा से बाहर निकलकर अब उद्योगों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आम जनजीवन को बदल रहा है। उन्होंने हाइब प्रयोगशाला का उदाहरण दिया। इस अवसर पर आईआरएसी सेल के डीन प्रो. सुधांशु पांड्या, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. संदेश गुप्ता, डॉ. दीपक वर्मा आदि मौजूद रहे ।

सीएसजेएमयू परिसर में लगा स्टॉल ।

सफलता की ओर बढ़ता फूड वेंचर

कानपुर। नितिन टंडन का इको-फ्रेंडली फूड वेंचर सफलता की ओर बढ़ रहा है। एक छोटे खाद्य उद्यम ब्रेड्स के मालिक नितिन ने 15 जुलाई को सीएसजेएमयू में अपना व्यवसाय शुरू किया। यहा पैक्ड फूड, पेस्ट्रीज, सैंडविच, बर्गर, नमकीन और बिस्कुट शामिल है। उद्यम की मुख्य विशेषता है कि पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण से प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाता है, जो पर्यावरण जागरूकता के अनुरूप है। यहां सबसे अधिक बिकने वाला उत्पाद पेटिज है। इस उद्यम में नितिन के सहयोग में राजा गौतम और विजय कुमार शामिल हैं। यहां प्रतिदिन छात्र-छात्राओं का जमावड़ा लगा रहता है। छात्रों ने फूड स्टॉल के सभी खाद्य पदार्थों को स्वादिष्ट बताया। सभी ने कहा कि स्टॉल में साफ-सफाई का ध्यान रखा जाता है।

नई खेल पॉलिसी से मिल रहा 81 खिलाड़ियों को सीधा लाभ

■ अर्पिता शर्मा /प्रीति गौतम

- यूनिवर्सिटी की इस योजना के तहत लगभग 25 प्रमुख खेलों को शामिल किया गया
- पांच अंतर्राष्ट्रीय, 30 राष्ट्रीय और 46 राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को मिल रही फ्री एजुकेशन और हॉस्टल की सुविधा

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की नई खेल पॉलिसी के तहत 81 खिलाड़ियों को सीधा लाभ मिल रहा है। इसमें पांच अंतर्राष्ट्रीय, 30 राष्ट्रीय और 46 राज्य स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इन खिलाड़ियों को फ्री एजुकेशन, हॉस्टल और डाइट उपलब्ध कराई जा रही है।

शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विजेता खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 25 खेलों को शामिल किया गया है। इनमें एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, कुश्ती, बॉक्सिंग, तीरंदाजी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेनिस, योग, कराटे और तैराकी सहित अन्य खेल शामिल हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस नई योजना से उन्हें और बेहतर अवसर मिल रहे हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक छात्रों को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। छात्रों को आवेदन के साथ खेल प्रमाणपत्र, पहचान पत्र और शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है।

> देश विदेश में स्पोर्ट्स के क्षेत्र में नाम कमा रहे खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय में फ्री एजुकेशन और हॉस्टल की सुविधाओं के साथ-साथ विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय अपने सभी छात्रों को हर संभव सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है। – **प्रो. विनय कुमार पाठक,** कुलपति

खेल प्रतियोगिताओं की तैयारियां अभी से शुरू

■ आरती गुप्ता/ वंशिका पाल

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने आगामी अक्टूबर-नवंबर में होने वाली अंतर विश्वविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं की तैयारियां शुरू कर दी है। खिलाड़ियों के उत्साह और प्रशिक्षण को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण सत्र संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण तीन स्तरों पर होगा- अंतरमहाविद्यालयी, क्षेत्रीय (उत्तर, दक्षिण, पूर्वी-पश्चिमी जोन) और राष्ट्रीय स्तर। प्रशिक्षण कार्यक्रम में फुटबॉल, बॉडीबिल्डिंग सहित कुल 17 खेल शामिल हैं, जिनके लिए प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में चयनित खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय की ओर से यात्रा भत्ता व दैनिक भत्ता प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण समय-सारणी: प्रातः सात बजे से वार्मअप के बाद छात्रों को विभाजित समय में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही सैद्धांतिक कक्षाएं भी निर्धारित समय पर आयोजित हो रही हैं। प्रतिभागियों को चार दलों में बांटकर खेल प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी- शिवाजी (पीला), महाराणा (हरा), भगत (लाल) और आजाद (नीला)। इसमें सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत पोस्टर निर्माण, भाषण, फोटोग्राफी, मॉडल हाउस निर्माण आदि शामिल होंगी।

ट्रैक का काम पूरा, साल के आखिरी तक छात्रों को मिलेगा नया स्टेडियम

■ शिवि तिवारी /अनमोल जायसवाल

कानपुर। सीएसजेएमयू में एक क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण हो रहा है , जहां विभिन्न प्रकार की मिट्टी से पिचें तैयार की जा रही हैं। इनमें लाल और काली मिट्टी की पिचें शामिल हैं , जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी करने का अवसर मिलेगा। स्टेडियम में आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी, जिससे यह खेल, विज्ञान और शिक्षा का संगम बनेगा।

सीएसजेएमयू में तैयार होने वाली सभी तरह की मिट्टियों की पिच पर खिलाड़ी अपने खेल को निखार सकेंगे।

सीएसजेएमयू के ट्रैक पर अभ्यास करते खिलाड़ी। (छायाकार: प्रिया यादव)

यहां काली मिट्टी की चार, लाल मिट्टी की एक और लाल-काली मिक्स मिट्टी की दो पिचें तैयार की जा रही हैं। बीसीसीआई के मुख्य क्यूरेटर डॉ. ए. के. भौमिक की देखरेख में इन्हें तैयार किया जा रहा है। स्टेडियम की आउटफील्ड इंग्लैंड के लॉर्ड्स और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम की तर्ज पर बरमूडा घास से तैयार की जा रही है। वहीं, पर्थ स्टेडियम की तरह परिसर में सबसे उन्नत सब-सरफेस ड्रेनेज सिस्टम लगाया जा रहा है। नवंबर तक सीएसजेएमयू का स्टेडियम तैयार होने की उम्मीद है। निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम में घास लगाने का काम अगले महीने तक पूरा हो जाएगा। वहीं, अगले तीन से चार महीने के दौरान स्टेडियम निर्माण का मुख्य काम पूरा करने का लक्ष्य है। नवंबर या दिसंबर में इसका उद्घाटन किया जा सकता है।

एबीसी आईडी से छात्र ले सकेंगे कोर्स में मल्टी इंट्री और एग्जिट

■ इशिता कोछड़/रूबी यादव/समीक्षा तिवारी

- एबीसी आईडी के जरिए सुरक्षित रहेगा अकादमिक रिकार्ड,छात्र ले सकेंगे किसी भी कोर्स में मल्टी इंट्री और एग्जिट
- एनईपी सारथी टीम ने संवाद के जरिए छात्रों को नई शिक्षा नीति की विशेषताओं और महत्व को समझाया

कानपुर। एनईपी में छात्र अपनी पढ़ाई को किसी भी स्तर पर छूटने के बाद फिर वहीं से शुरू कर सकते हैं। उनका पिछला अकादमिक रिकार्ड एबीसी पर सुरक्षित रहेगा। यह बात छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रोफेसर वृष्टि मित्रा ने कही।

विवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 पर मीट एंड स्पीक समारोह का आयोजन किया गया। इसमें एनईपी सारथी टीम ने संवाद के जरिए छात्रों को नई शिक्षा नीति की विशेषताओं और महत्व को गहराई से समझाया। कार्यक्रम में विवि परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। डीन अकादमिक प्रोफेसर वृष्टि मित्रा और एसोसिएट डीन अकादमिक व एनईपी समन्वयक डॉ. अंशु सिंह ने एनईपी के उद्देश्यों और इसके दूरगामी प्रभावों के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर वृष्टि ने कहा कि एनईपी पाठ्यक्रम में बदलाव छात्रों के सर्वांगीण

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार । (फाइल फोटो)

विकास और कौशलयुक्त शिक्षा देने पर केंद्रित है। डॉ. अंशु सिंह ने कहा कि एनईपी का लक्ष्य आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देना है। सारथी टीम के विशेषज्ञों ने छात्रों के पूछे गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दिए। एनईपी में मल्टी एंट्री एवं एग्जिट सिस्टम, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), व्यावसायिक शिक्षा के अवसर और भारतीय भाषाओं में पढ़ाई शामिल है। एनईपी में छात्रों को व्यावसायिक कौशल से परिचित कराना आवश्यक है। कार्यक्रम में एनईपी सारथी टीम के रोहित सिंह, अंशराज सिंह, मानवी श्रीवास्तव, अरशद नफेस, सृष्टि अग्रहरि, पूर्णिमा तिवारी, अभिषेक त्रिपाठी आदि लोग उपस्थित थे।

सुविचार

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।
- स्वामी विवेकानंद

शिक्षा के साथ संस्कार आवश्यक

संपादकीय

'आरोह तमसो ज्योतिः' अर्थात् अज्ञानता से ज्ञान की ओर। ज्ञान का अर्थ शिक्षा और संस्कार से है। शिक्षा और संस्कार जीवन रूपी वृक्ष के दो मजबूत जड़ें हैं। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति को ज्ञानवान बनाना है, लेकिन ज्ञान के साथ नैतिकता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी न जुड़ी हो तो फिर शिक्षा का कोई औचित्य नही रह जाता है। एक शिक्षित व्यक्ति यदि दूसरों के प्रति संवेदनशील नहीं है तो उसकी शिक्षा समाज के लिए लाभकारी कभी नहीं हो सकती है।

आज के इस आधुनिक दौर में जहाँ हम तकनीकी उन्नति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, तकनीकी विकास और प्रतिस्पर्धा ने शिक्षा को मात्र अंकों और डिग्रियों तक सीमित कर दिया है। शिक्षा से संस्कार गायब होता जा रहा है। संस्कार वे मूल्य है, जो व्यक्ति को सही और गलत में भेद करना सिखाते हैं। संस्कार से ही दूसरों के प्रति आदर, सहिष्णुता और सहयोग की भावना उत्पन्न होती है। जब शिक्षा के साथ संस्कार जुड़ते हैं, तब एक ऐसा नागरिक तैयार होता है जो न केवल अपने हित की सोचता है, बल्कि समाज के प्रति भी उत्तरदायी होता है। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक है। शिक्षा व्यक्ति को सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता देती है, जबकि संस्कार व्यक्ति के चरित्र, व्यवहार और नैतिकता को आकार देता है। शिक्षा प्राप्त कर हम सफल तो हो सकते हैं लेकिन श्रेष्ठ नही, जबकि संस्कार युक्त शिक्षा से हम श्रेष्ठ बनते हैं। वैश्वीकरण के इस दौर में जहाँ व्यावसायिक शिक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है, वहाँ संस्कारों की शिक्षा पीछे छूटती जा रही है। माता-पिता और शिक्षक दोनों ही बच्चों को अच्छे अंक लाने और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने पर अधिक ध्यान देते हैं, लेकिन उन्हें नैतिक मूल्यों और मानवीय गुणों के बारे में सिखाना भूल जाते हैं।यह एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि एक संस्कारहीन समाज कभी भी स्थायी रूप से प्रगति नहीं कर सकता। हमें यह समझना होगा कि सच्ची सफलता केवल डिग्री या पैसे से नहीं, बल्कि अच्छे चरित्र और नैतिक मूल्यों से प्राप्त की जा सकती है।वर्तमान समय में नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ संस्कार देने की अत्यंत जरुरत है। यदि हम नई पीढ़ी को केवल ज्ञान देंगे लेकिन उन्हें जीवन के मूल्य नहीं सिखाएंगे तो अवश्य ही हम एक अधूरी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं।

विवि एलुमनाई एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी कमेटी गठित

■ माही कनौजिया/वर्षा तिवारी

बैठक

कानपुर। विश्वविद्यालय की धरोहर उसके पूर्व छात्र होते हैं, जो अपने साथ संस्थान को भी ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। यह बात छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने बैठक में कही। विवि में एलुमनाई एसोसिएशन की कार्यकारिणी कमेटी का गठन किया गया। पूर्व छात्रों को विशिष्ट एलुमनाई अवार्ड भी दिया जाएगा।

कुलपति ने कहा कि पूर्व छात्र अपने अनुभवों और ज्ञान के स्रोत से वर्तमान छात्रों और संस्थान को नई राह दिखाते हैं।।नई कमेटी में इंटर्नशिप व प्लेसमेंट, उद्यमिता व नवाचार, संस्कृति व विरासत, काउंसलिंग व व्यक्तित्व विकास, सामाजिक विकास, मानवीय मूल्य, अंतरराष्ट्रीय संबंध, इंडस्ट्रियल रिलेशंस आदि क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल किए गए। कमेटी में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक अध्यक्ष, डॉ ए एस प्रसाद, आर के जालान व डॉ. सिधांशु राय उपाध्यक्ष के रूप में चयनित हुए। सीए अर्जित गुप्ता सचिव, डॉ. उमेश पालीवाल कोषाध्यक्ष व मुकेश अग्रवाल संयुक्त सचिव बने। मुख्तारुल अमीन, डॉ. अतुल कपूर, डॉ. संजय कपूर, डॉ. अरविंद दीक्षित, डॉ. अवध दुबे, विश्वनाथ गुप्ता, आलोक मिश्रा, अंकित श्रीवास्तव और सुबोध कटियार एग्जीक्यूटिव मेंबर बनाए गए। कमेटी में कुलसचिव, वित्त अधिकारी, अधिष्ठाता कला संकाय व अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय भी शामिल किए गए। इंजीनियरिंग विभाग व मैनेजमेंट विभाग के एक छात्र व एक छात्रा भी छात्र प्रतिनिधि बनाए गए। छात्रों से संबंधित कार्यों को गतिशीलता प्रदान करने के लिए पूर्व छात्रों की एक एलुमनाई यूथ कमेटी गठित की । इसमें डॉ. सिधांशु राय को जिम्मेदारी दी गई। एलुमनाई एसोसिएशन का वार्षिक कैलेंडर भी तैयार किया गया।

स्वर्ण प्राशन के दौरान मौजूद बच्चे ।

स्वास्थ्य केंद्र में 140 बच्चों का स्वर्ण प्राशन कराया गया

■ हिमांशु मौर्य/एकता सिंह

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र, आरोग्य क्लीनिक लालबंगला और राजकीय बाल गृह कल्याणपुर द्वारा निशुल्क पुष्य नक्षत्र स्वर्ण प्राशन संस्कार कैंप का आयोजन किया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने 140 बच्चों का निशुल्क स्वर्ण प्राशन किया। उन्होंने बच्चों और उनके अभिभावकों को वर्षा ऋतु में खानपान के साथ इस मौसम में बरती जाने वाली सावधानियां के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे मूंग दाल, खिचड़ी, लौकी, तरोई, भिंडी, परवल आदि खाना चाहिए। इस ऋतु में नाशपाती, पपीता ,अनार जैसे मौसमी फल का सेवन करना लाभकारी है। उन्होंने अभिभावक को बच्चों के लालन पोषण के बारे में समझाया। राजकीय बाल गृह की शिक्षिका सुमन भी उपस्थित रही।

विभाजन विभीषिका पर डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई

कानपुर। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में विभाजन विभीषिका विषय पर एक मार्मिक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी और संवाद सत्र का आयोजन किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से छात्र-छात्राओं को 1947 के भारत-पाक विभाजन के समय की भयावह अमानवीय त्रासदी और सामाजिक-राजनीतिक अशांति को दिखाया गया।

फिल्म में लाखों लोगों के विस्थापन, परिवारों के बिछड़ने, सांप्रदायिक हिंसा और संघर्षपूर्ण परिस्थितियों का गहरा चित्रण किया गया। विभाजन की इस पीड़ा को डॉक्यूमेंट्री ने प्रत्यक्षदर्शियों की स्मृतियों और दुर्लभ साक्ष्यों के माध्यम से सामने लाया। डॉक्यूमेंट्री ने विद्यार्थियों को उस दौर की कठिनाइयों से रूबरू कराया। डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन के बाद संवाद सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें विभाग के वरिष्ठ शिक्षकों ने विभाजन के सामाजिक और राजनीतिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की प्रस्तुतियां केवल इतिहास को समझाने के साथ सबक लेने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा भी देती हैं।

अपडेट छात्र सीखेंगे बाजार में पूंजी निवेश की विधियां, 60 सीटों के साथ कैंपस में कोर्स शुरू ,सीएसजेएमयू और फिनएक्स के मध्य किया गया एमओयू हस्ताक्षरित

पहली बार सीएसजेएमयू में शुरू हुआ कैपिटल मार्केट्स पाठ्यक्रम

■ कशिश अवस्थी/साक्षी शाक्य

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने वित्तीय शिक्षा को नई दिशा देते हुए एड-टेक प्लेटफॉर्म फिनएक्स के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)पर हस्ताक्षर किए।

इस साझेदारी के तहत विश्वविद्यालय ने बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन कैपिटल मार्केट्स पाठ्यक्रम की शुरुआत की । राज्य विश्वविद्यालय स्तर पर कैपिटल मार्केट पर केंद्रित यह पहला पाठ्यक्रम है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पाठ्यक्रम में 60 सीटें होंगी। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों को वित्तीय क्षेत्र में विशेषज्ञता और उद्योग-आधारित प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ना है।स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक प्रोफेसर सुधांशु पांडिया ने कहा कि यह कोर्स छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ इंडस्ट्री आधारित प्रायोगिक अनुभव भी देगा। फिनएक्स के सीईओ हिमांशु ने पाठ्यक्रम को उद्योग की जरूरत के अनुरूप प्रतिभा निर्माण की दिशा में बड़ा कदम बताया। यहां रजिस्ट्रार राकेश कुमार, प्रो. अंशु यादव, प्रो. नीरज सिंह, डॉ. सुदेश श्रीवास्तव, डॉ. विवेक सिंह सचान समेत अनेक अधिकारी रहे।

फिनएक्स के साथ समझौता ज्ञापन को दिखाते कुलपति और संस्था के अधिकारी ।

फिल्मों में काम करने के इच्छुक युवाओं के लिए नया कोर्स शुरू

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विभाग ने इस वर्ष फ़िल्म के क्षेत्र में जाने के इच्छुक विद्यार्थियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए परास्नातक स्तर पर ही रंगशिला प्रोडक्शन मुंबई के साथ मिलकर फ़िल्म मेकिंग कोर्स भी शुरू किया है। इस नये कोर्स के शुरू होने से विद्यार्थी अब अपने शहर कानपुर में ही फिल्म प्रोडक्शन से जुड़ी बारीकियां सीख सकेंगे और फिल्मों में जाकर अपने पंखो को उड़ान दे सकेंगे । अगर आप भी फिल्म प्रोडक्शन में करियर बनाना चाहते हैं तो जल्दी से जल्दी अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लें। परास्नातक फ़िल्ममेकिंग डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए योग्यता स्नातक होना चाहिए । वही इस कोर्स की अवधि दो साल हैं । इस कोर्स के लिए सीटों की संख्या 30 रखी गई हैं। इस पाठ्यक्रम का शुल्क 51200/-प्रतिवर्ष रखी गई ।

सफलता की ओर सीएसजेएमयू...

कुलपति का संदेश

प्रिय नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं,

आप सभी का छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के इस विद्या, शोध और संस्कृति-सम्पन्न परिसर में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि आपने अपनी उच्च शिक्षा की यात्रा इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से शुरू की है, जिसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा **ए प्लस प्लस श्रेणी** प्रदान किया गया है। हमारा विश्वविद्यालय **आरोह तमसो ज्योतिः** को अपना ध्येय वाक्य मानते हुए ज्ञान, विवेक और चेतना के प्रकाश से विद्यार्थियों के जीवन को प्रकाशित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

हमारा विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए आज उच्च शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है।

इस विश्वविद्यालय में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं, अपितु छात्रों के सर्वांगीण विकास, चिंतनशीलता एवं उत्तरदायित्वबोध को जाग्रत करने का माध्यम है।

हमारा विश्वविद्यालय परंपरागत शैक्षणिक मूल्यों के साथ-साथ आधुनिक वैश्विक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवाचार, सतत विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उद्यमिता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन दे रहा है।

विद्यार्थियों को न केवल रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाना हमारा उद्देश्य है, अपितु उन्हें रोजगार सृजक के रूप में भी तैयार करना हमारी प्राथमिकता है।

इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत विविध संकायों में विषयगत गहनता एवं बहुआयामी ज्ञान प्रदान किया जाता है।

विश्वविद्यालय के अनुभवी, प्रबुद्ध तथा छात्र केन्द्रित शिक्षकगण विद्यार्थियों को न केवल विषय की जानकारी देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन के व्यापक उद्देश्यों की ओर उन्मुख भी करते हैं।

आप सभी से अपेक्षा है कि आप विश्वविद्यालय के अनुशासन, परंपरा और शैक्षिक गरिमा को आत्मसात करते हुए निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण के साथ अध्ययन करें।

यह विश्वविद्यालय आपके भीतर राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, सामाजिक चेतना एवं आत्मनिर्भरता का भाव विकसित करेगा और आपको एक सक्षम, सजग एवं प्रेरणादायी नागरिक के रूप में गढ़ेगा।

आप सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं!

– प्रो. विनय कुमार पाठक

छात्र की कलम से

यूनिवर्सिटी का वो पहला दिन,
मन बेचैन एक अलग ही घबराहट थी,
हर चेहरा अंजान, हर एहसास नया था,
हर दीवारें अंजान, हर कुर्सियां नयी थी।

पर किसे पता था अगले ये कुछ साल जिंदगी के,
सबसे हसीन साल बन जायेंगे,
और किसे पता था की,
राजनीतिक विज्ञान का ये विभाग
कब अपना एक परिवार बन जाएगा।

मिला यहां अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का ज्ञान,
तो कहीं जाना अपने भारत का संविधान,
सीखी यहां कुछ बातें लोक प्रशासन की,
तो पढ़ा यहाँ कुछ विचार राजनीतिक विचारकों के।।

पता नहीं चला ,
कब ये अंजान चेहरे अपने बन गये
और कब ये नयी दीवारें अपनी हो गयी,
आज भी याद है वो,
यूनिवर्सिटी का पहला दिन

– श्रेयांश अवस्थी, बीएजेएमसी द्वितीय वर्ष

जीवन एक युद्ध भूमि है,
हर दिन कोई ललकारेगा।
तू डरना, गिरना, लड़ना,
लेकिन तुझको चलना होगा।
तुम संताने हो भारत की।
ये तुमको साबित करना होगा।।

आयेगी विपदा चक्रव्यूह सी,
उसको भेद निकलना होगा।
तूफान सिंह बनकर आये तो,
उसके दांतों को गिनना होगा।
तुम संताने हो भारत की।
ये तुमको साबित करना होगा।।

राम सा सौम्य, कृष्ण सा चंचल,
बुद्ध सा धीरज धरना होगा।
बुद्धि विवेकानंद से लेकर,
भगत सिंह सा त्यागी बनकर।
नेतृत्व सुभाष सा करना होगा।।
तुम संताने हो भारत की ।
ये तुमको साबित करना होगा।।

– कार्तिक सिंह, बीए राजनैतिक विज्ञान

सत्य परेशान हो सकता है परंतु पराजित नहीं

प्रेरक कहानी

एक गांव में एक किसान रहता था। उसके पास दो बैल और दो कुत्ते थे। एक बार उसे किसी काम से गांव से बाहर जाना था। उसकी समस्या यह थी कि खेत जोतने का भी समय हो गया था और काम पूरा करने के लिए गांव से बाहर भी जाना जरूरी था। बहुत देर सोच-विचार करने के बाद किसान ने समस्या का समाधान निकाला। उसने अपने बैलों और कुत्तों को बुलाकर कहा कि मैं कुछ दिनों के लिए गांव से बाहर जा रहा हूं। मेरे लौटने तक तुम लोग सारे खेत जोतकर रखना ताकि लौटने पर मैं खेतों में बीज बो सकूं। बैलों और कुत्तों ने मालिक के आदेश को मानने के लिए स्वीकृति में सिर हिलाया। इतना कह कर किसान काम को पीरा करने के लिए चला गया।

बैलों ने किसान के कहे अनुसार खेत जोतना शुरू कर दिया जबकि कुत्ते सारा दिन आवारागर्दी में लगे रहे। किसान के लौटने से पहले बैलों ने पूरा खेत जोत दिया। कुत्तों ने देखा कि खेतों की जुताई हो गई है और मालिक के लौटने का समय भी हो गया है। कुत्तों ने चतुराई दिखाते हुए बैलों से कहा कि तुम दोनों इतने दिनों से खेत जोत रहे हो, तुम लोग काफी थक गए होगे, घर पर जाकर आराम करो और हम दोनों खेतों की रखवाली करेंगे। कुत्तों की बात मानकर निष्कपट स्वभाव के बैल घर चले गए और खा पीकर आराम करने लगे। इधर कुत्तों ने सारे खेतों में दौड़-भाग करके अपने पैरों के निशान बना दिए और खेत की मेड़ पर बैठकर किसान का इंतजार करने लगे। किसान काम पूरा करके गांव वापस आया और सीधा खेतों में पहुंचा। उसने देखा कि दोनों कुत्ते मेड़ पर बैठे हुए हैं और खेतों की जुताई हो गई है परंतु बैल कहीं नजर नहीं आ रहे थे। किसान ने कुत्तों से पूछा कि बैल कहां हैं? कुत्तों ने जवाब दिया कि मालिक आप जब से गए हैं, तभी से हम दोनों खेत जोत रहे हैं और अभी काम पूरा करके मेंड़ पर बैठकर आपका इंतजार कर रहे हैं, जबकि बैल घर से बाहर निकलकर खेतों की ओर झांकने भी नहीं आए, वह घर पर ही आराम कर रहे हैं।

मालिक ने खेतों में जाकर देखा तो उसे हर तरफ कुत्तों के पैरों के निशान मिले, वह कुत्तों के ऊपर बहुत प्रसन्न हुआ। कुत्तों के साथ वह घर पर वापस लौटा तो देखा कि बैल घर के बाहर बैठे हुए आराम कर रहे थे। यह देखकर किसान बहुत क्रोधित हुआ और रस्सी से बांध कर उनकी पिटाई कर दी।

किसान ने कुत्तों को खाने के लिए दूध रोटी और मांस के टुकड़े दिए जबकि बैलों को खाने के लिए सूखा भूसा दिया। कुत्तों को भरपेट खाना मिलने लगा।

कुछ दिनों बाद पड़ोसी किसान ने अपने खेत जोतने के लिए किसान से कुत्ते मांगे। खेत की जुताई का काम करने की बात दोनों कुत्तों को पता चली तो वे डर गए। उन्होंने अपनी की हुई गलती के लिए किसान से माफी मांगी। सच्चाई सुनकर किसान आग बबूला हो उठा और कुत्तों की खूब पिटाई की। उसके बाद से कुत्तों को बासी खाना देने लगा और बैलों को अच्छा अच्छा चारा मिलने लगा।

सीख: इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम सच्चाई को कितना भी छुपा लें लेकिन आखिर में सच्चाई की जीत ही होती है।

ध्येय वाक्य : सत्य परेशान हो सकता है परंतु पराजित नहीं ।

– सक्षम त्रिवेदी, एमएजेएमसी द्वितीय वर्ष

अभिव्यक्ति

तू फूल की रस्सी ना बुन, ख़्वाब तो घुटने हैं,
इस दौर में इंसानियत के दामन भी फटने हैं।

भरोसे की डोरी पर अब कांटे ही लटके हैं,
हवस के अंधेरों में हर उम्मीद के टुकड़े हैं।

हर दिन अखबार की सुर्खियों में दर्द की कहानी है,
न्याय की राहों में भी क्यों इतनी परेशानी है?

मां की गोद में भी अब डर के बीज पनपते हैं,
उसकी बेटी के सपने कब तक यूं ही सुलगते हैं?

सड़कों पर चलती भीड़ में भी अजनबी सा डर है,
कौन अपना, कौन पराया, अब सब पर शक है।

तेरी आवाज दबा दी जाती है, पर तू चुप मत रह,
इस बेजुबान समाज में तू अपनी चुप्पी को कह।

तू गूंगी गुड़िया बन जाए, ये मर्ज़ी है उनकी,
तेरे सपनों की आग से डरती हैं आंखें इनकी।

मगर तू तो वही राख से उठती चिंगारी है,
जो हर पीढ़ी में इक नई क्रांति की तैयारी है।

तेरे आंचल को जो परदा समझते हैं,
उनकी नजरों में ही पर्दे की ज़रूरत है।

तू सवाल है — जवाब नहीं,
तू मिसाल है — हिसाब नहीं।

तेरी पगडंडियां तू ही तय करेगी,
अब दिशा भी तेरी, दशा भी तेरी।

ना वो सीमाएं रुकावट बनेंगी,
ना वो परिभाषाएँ जो औरों ने लिखी तेरे लिए।

हर तमगा जो तुझ पर थोपते हैं,
उसे पहनने से इनकार ही तेरी पहचान है।

तू फूल की रस्सी ना बुन, ख्वाब तो घुटने हैं,
शक्ति को आवाज बना, सपने तो हैवानों के हाथ लुटने हैं।

– अनुष्का द्विवेदी, एमएजेएमसी द्वितीय वर्ष

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां। (फोटो कोलाज)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित साप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक - डॉ. विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता - डॉ. हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक - अनुश्री बनर्जी (बीएजेएमसी), कॉपी एडिटर - इंद्रेश तिवारी (एमएजेएमसी), मुख्य पृष्ठ सज्जाकार - हरि ओम तिवारी (एमएजेएमसी), पृष्ठ सज्जाकार- प्रतीक कुमार ओझा (बीएजेएमसी), ग्राफिक डिजाइनर - प्रांजल सचान (एमएजेएमसी)। अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकांउट पर सम्पर्क करें।

@djmccsjmu/@csjmuofficial @csjmuofficial www.csjmu.ac.in